

प्रेषक,

कुँवर सिंह,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,  
उत्तरांचल जल संस्थान,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 11 मई, 2006

विषय : वित्तीय वर्ष 2006-07 में क्षतिग्रस्त ग्रामीण पेयजल योजनाओं के सुदृढीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्र संख्या 6135/अनुदान-धनावंटन/2005-06 दिनांक 24 मार्च, 2006 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि निम्नवत् जनपदवार विवरणानुसार क्षतिग्रस्त ग्रामीण पेयजल योजनाओं के सुदृढीकरण हेतु रु0 923.95 लाख की लागत की कार्ययोजना पर अनुगोदन प्रदान करने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2006-07 में रुपये 400.00 लाख (रु0 चार करोड़ मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(रु0 लाख में)

क्र०सं०	जनपद	पेयजल योजनाओं की संख्या	कुल अनुमानित लागत	स्वीकृत धनराशि
1.	देहरादून	06	331.33	65.00
2.	पौड़ी	24	78.00	40.00
3.	टिहरी	19	131.50	60.00
4.	उत्तरकाशी	20	123.50	50.00
5.	चमोली	09	37.00	15.00
6.	रुद्रप्रयाग	13	76.00	35.00
7.	नैनीताल	33	85.50	35.00
8.	अल्मोड़ा	27	64.00	30.00
9.	पिथौरागढ़	31	57.00	25.00
10.	उधमसिंहनगर	12	32.00	15.00
11.	चम्पावत	11	44.45	15.00
12.	बागेश्वर	11	37.00	15.00
	योग:-	216	1097.28	400.00

2. स्वीकृत धनराशि का आहरण मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल देहरादून के कोषागार में प्रस्तुत करके किया जायेगा। आहरण से सम्बन्धित बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध कराई जाय।



3. स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों पर उत्तर प्रदेश शासन के वित्त लेखा अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या ए-2-87(1)दस-97-17(4)/75 दि० 27.02.97 के अनुसार सेन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्षपूर्व में व्यय की गई धनराशि में सेन्टेज चार्जेज के रूप में व्यय की गई धनराशि को समायोजित करते हुए कुल सेन्टेज चार्जेज 12.50 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगी। कृपया इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर आगणन में सेन्टेज की व्यवस्था उक्तानुसार ही की जाय।
  4. योजना में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों तथा जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
  5. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
  6. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत मानक है, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
  7. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
  8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्यनजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
  9. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
  10. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
  11. योजना को स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही पूर्ण किया जायेगा तथा किसी भी दशा में पुनरीक्षित प्राक्कलन स्वीकार नहीं होगा।
- 2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक-"2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-03-ग्रामीण पेयजल राज्य सेक्टर-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता" के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 53/XXVII (2)/2006 दिनांक 8 मई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(कुँवर सिंह)  
अपर सचिव

संख्या 717/उन्तीरा (2)/(41पे0)/2006 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- ✓ 1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल ( हरिद्वार को छोड़कर)।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त (बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ।
7. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
8. स्टाफ आफ्फीसर-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव